**वर्ल्ड कप डेब्यू से पहले सचिन ने खेले थे 31 वनडे**

इस महान बल्लेबाज ने अपने करियर में कुल 6 वर्ल्ड कप खेले। अपना पहला वर्ल्ड कप खेलने से पहले सचिन कुल 31 वनडे मैच खेलकर 894 रन बना चुके थे और उनके नाम कोई शतक नहीं था।

## हैपी बर्थडे सचिनः अपने करियर में खेले 6 वर्ल्ड कप

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)** मुबंई। यूं तो महान बल्लेबाज सचिन तेंडुलकर ने इस बार देश और दुनिया में फैले कोरोना वायरस महामारी के संकट के चलते अपना बर्थडे सेलिब्रेट नहीं करने का फैसला लिया है। सचिन तेंडुलकर का यह पहला वर्ल्ड कप टूर्नमेंट था। तेंडुलकर ने इस टूर्नमेंट में राउंड रॉबिन स्टेज के सभी 8 मैच खेले और उन्होंने यहां कुल 283 रन बनाए। इस टूर्नमेंट में तेंडुलकर ने तीन फिफ्टी जमाई। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 84 था, जो उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ बनाया था। भारत इस विश्व कप में पहले ही स्टेज (राउंड रॉबिन) में ही बाहर हो गया। अपने 6 वर्ल्ड कप खेलकर तेंडुलकर ने कुल 2278 रन बनाए हैं, जो किसी भी बल्लेबाज द्वारा सर्वाधिक वर्ल्ड कप स्कोर है। उनके बाद रिकी पॉन्टिंग (1743) का नाम आता है, जो उनसे करीब 500 रन पीछे रह गए। सर्वाधिक वर्ल्ड कप शतक और हाफ सेंचुरी के मामले में मास्टर ब्लास्टर नंबर 1 हैं।

# दो खिलाड़ी तोड़ सकते हैं मेरा रिकॉर्डः सचिन

**क्रिकेट**

### शुभमन गिल और पृथ्वी शॉ में वो स्पार्क है, भारत के लिए लंबे समय तक खेल सकते है

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)**

नई दिल्ली। क्रिकेट के भगवान कहे जाने वाले सचिन तेंदुलकर के क्रिकेट करियर के सभी रिकॉर्ड्स को तोड़ना किसी एक खिलाड़ी के बस की बात नहीं है। हालांकि, सचिन तेंदुलकर के कुछ–कुछ रिकॉर्ड ऐसे हैं जिन्हें तोड़ा जा सकता है। कुछ साल पहले सचिन तेंदुलकर ने खुद बताया था कि विराट कोहली और रोहित शर्मा ऐसे दो खिलाड़ी हैं जो उनके रिकॉर्ड्स को तोड़ सकते हैं। इसके बाद अब फिर से उन्होंने दो युवा खिलाड़ियों का नाम लिया है जो विराट–रोहित की तरह अच्छा खेल सकते हैं और उनके कुछ रिकॉर्ड्स को धराशायी कर सकते हैं।

दरअसल, सचिन तेंदुलकर का शुक्रवार को 24 अप्रैल को 47वां जन्मदिन है। इससे पहले सचिन तेंदुलकर ने खास बातचीत में तमाम सवालों के जवाब दिए। इसी दौरान जब उनसे ये पूछा गया कि आपने कई साल पहले कहा था कि विराट कोहली और रोहित शर्मा आपका रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं। अब ये दोनों खिलाड़ी अच्छा कर रहे हैं और रिकॉर्ड पर रिकॉर्ड बना रहे हैं तो वर्तमान में आपको ऐसी प्रतिभा किसमें नजर आती है? सचिन तेंदुलकर ने इसका जवाब बड़ी बेबाकी से दिया और दो खिलाड़ियों के नाम बताए।

**इन खिलाड़ियों में है गजब की प्रतिभाः** सचिन तेंदुलकर ने अपने जवाब में कहा, रोहित शर्मा और विराट कोहली के अलावा मैं युवा बल्लेबाज शुभमन गिल और पृथ्वी शॉ की बात जरूर करूंगा।

शुभमन गिल और पृथ्वी शॉ में वो स्पार्क है कि वे भारत के लिए लंबे समय तक खेल सकते हैं। रोहित और विराट की बात की जाए तो दोनों में एक अलग ही क्षमता है और वे दोनों ही बहुत ही अच्छे खिलाड़ी हैं इसलिए मैंने कहा था कि दोनों भारत के क्रिकेट को आगे ले जा सकते हैं।

इस दौरान सचिन तेंदुलकर ने एक और खिलाड़ी का नाम लिया जो कि क्रिकेट के सबसे पुराने प्रारूप में टीम इंडिया के बहुत अच्छा कर रहा है। सचिन तेंदुलकर ने कहा, मैं चेतेश्वर पुजारा का भी नाम लूंगा। उनकी ज्यादा बात नहीं होती है लेकिन वह हमारे टेस्ट क्रिकेट के लिए बहुत ही उपयोगी हैं।

**इमरान खान, शोएब व डेल स्टेन से भी फेंकी थी ज्यादा गेंदें**

सचिन ने 463 वनडे मैचों में कुल 8054 गेंदें फेंकी थी। वहीं पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज इमरान खान ने अपने वनडे करियर के 175 मैचों में 7461 गेंदें फेंकी थी। वहीं शोएब अख्तर ने 163 वनडे में 7764 गेंदें फेंकी थी। डेल स्टेन की बात करें तो उन्होंने 125 वनडे मैचों में 6256 गेंदें फेंकी है। यानी सचिन इन गेंदबाजों के मुकाबले काफी आगे रहे।

# मैदान पर आईसक्रीम की तरह हैं महेंद्र सिंह धोनीः शेन वॉटसन

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)**

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ऑलराउंडर शेन वॉटसन ने गुरुवार को इंडियन प्रीमियर लीग के 2018 सीजन के फाइनल को याद किया। चेन्नै सुपर किंग्स की ओर से खेलते हुए वॉटसन ने शानदार बल्लेबाजी की थी। वॉटसन ने इस मैच को याद करते हुए महेंद्र सिंह धोनी के साथ काम करने के अपने अनुभव को साझा किया। क्रिकेट.डॉट.एयू से एक पॉडकास्ट में बात किया।

उन्होंने कहा, फाइनल में लगाई गई सेंचुरी बहुत खास थी– खास तौर पर उस समय स्टीफन फ्लेमिंग (जमचीमद थ्समउपदह) के साथ काम करने का अपना अलग अनुभव था। मैंने जितने भी कोच के साथ काम किया है उनमें वह सबसे शानदार हैं। फ्लेमिंग को क्रिकेट की बहुत अच्छी समझ है– उनकी मानसिक रूप से बेहद सुलझे हुए हैं और मैन–मैनेजमेंट भी उनका बहुत अच्छा है।

चेन्नै के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के बारे में बात करते हुए वॉटसन ने कहा कि पहली बार धोनी के साथ खेलना और उन्हें समझना बहुत अच्छा रहा। इस धमाकेदार ऑलराउंडर ने कहा, पहली बार धोनी के काम करने के बारे में बोलूं। तो, जब आप उनके खिलाफ खेलते हो, तो वह आपको आसानी से कुछ हासिल नहीं करने देते। वह मैदान पर आईसक्रीम की तरह हैं। उन्होंने आगे कहा, लेकिन उन्हें जानना, उनके साथ काम करना एक शानदार अनुभव रहा। क्रिकेट के इतने चोटी के लोगों से मिलना अच्छा रहा।

## संदिग्ध बैठकों पर नोटिस का जवाब दें मलिकः पीसीबी

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)** कराची। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान सलीम मलिक देश में किसी भी क्रिकेट गतिविधि का हिस्सा नहीं बन सकते क्योंकि वह पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को ब्रिटेन में हुई कुछ बैठकों की जानकारी मुहैया नहीं करा सके हैं। देश की निचली अदालत ने हालांकि मैच फिक्सिंग के कारण उन पर लगे आजीवन प्रतिबंध के फैसले को बदल दिया था। पीसीबी में एक सूत्र ने कहा कि मलिक ने अभी तक 2013 में उन्हें जारी किए गए नोटिस का जवाब नहीं दिया है, जिसमें उनसे उन बैठकों की जानकारी मांगी गई थी, जो उन्होंने 2000 में प्रतिबंधित होने के बाद की थीं। सूत्र ने नाम नहीं बताने की शर्त पर कहा, मलिक ने अभी तक उस नोटिस का जवाब नहीं दिया है, इसलिए पीसीबी और आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) उन्हें स्पष्ट बयान देने के इच्छुक नहीं हैं कि मलिक को किसी भी तरह की क्रिकेट गतिविधि में भाग लेने की अनुमति क्यों नहीं दी जा रही। सूत्र ने कहा, बोर्ड ने 2000 में उन्हें प्रतिबंधित किया था और इसके बाद ब्रिटेन में उनकी कुछ बैठकें हुई थीं, जिसकी जानकारी आईसीसी के पास है जिससे इन बैठकों के उद्देश्यों पर संदेह पैदा हुआ।

## न्यूज डायरी

### गौतम गंभीर ने किया घरेलू सहायिका का अंतिम संस्कार

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)** नई दिल्ली। भारत की वर्ल्ड कप जीत के सूत्रधारों में रहे पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर ने अपनी घरेलू सहायिका का अंतिम संस्कार खुद किया है। कोरोना वायरस महामारी के कारण लागू लॉकडाउन के चलते सहायिका का पार्थिव शरीर ओडिशा नहीं पहुंचाया जा सका। भाजपा के लोकसभा सांसद गंभीर ने ट्विटर पर अपने घर में काम करने वाली सरस्वती पात्रा को श्रृद्धांजलि दी।

वह पिछले छह साल से उनके घर पर काम कर रही थीं। उन्होंने ट्वीट किया, मेरे बच्चों की देखभाल करने वाली घरेलू सहायिका नहीं हो सकती। वह परिवार का हिस्सा थीं। उनका अंतिम संस्कार करना मेरा फर्ज था। भारत के लिए 2004 से 2016 के बीच टेस्ट खेल चुके गंभीर ने कहा, श्मेरा हमेशा से मानना रहा है कि व्यक्ति किसी भी जाति, धर्म, वर्ग, सामाजिक दर्जे का हो, सम्मान का हकदार है। इसी से हम बेहतर समाज और देश बना सकते हैं। ओम शांति।

### मेरे पास पूरा प्लान, उतार दूंगा पाकिस्तान का पूरा कर्जा

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)** नई दिल्ली। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान और दिग्गज बल्लेबाज जावेद मियांदाद ने कहा है कि उनके पास पाकिस्तान का पूरा कर्जा उतारने की योजना है। मियांदाद ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान से अपनी इस योजना को शेयर करने के लिए वक्त भी मांगा है। यह पूर्व बल्लेबाज अपने पूर्व कप्तान और अब प्रधानमंत्री इमरान खान के साथ अपनी योजनाओं पर विस्तृत चर्चा करना चाहते हैं।

मियांदाद ने गुरुवार को पाकिस्तान के टेलिथॉन कार्यक्रम में यह बात कही। कोरोना वायरस के लिए रिलीफ फंड इकट्ठा करने के मकसद से पाकिस्तान में यह टेलिथॉन कार्यक्रम किया गया। मियांदाद ने कहा कि देश में अभी तक उन लोगों ने राज किया, जिनके अपने हित थे। लेकिन अब इमरान खान के रूप में पाकिस्तान को ऐसा नेता मिल गया है, जो यहां कि जनता कि चिंता करते हैं और उनके दिल में पाकिस्तान के लोग बसते हैं। मियांदाद ने कहा कि देश में लोग गरीबी से लड़ रहे हैं। इस पूर्व दिग्गज बल्लेबाज ने कहा, कोरोना वायरस के संक्रमण को देश में रोकना इतना आसान नहीं है क्योंकि फिलहाल पाकिस्तान के मौजूदा आर्थिक हालात इतने अच्छे नहीं हैं कि पूरे देश में फुल लॉकडाउन लगाया जा सके।

### कैंसर से जूझ रहे बॉक्सर डिंको सिंह के लिए मसीहा बना स्पाइसजेट

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)** गुरग्राम। एशियाई खेलों के गोल्ड मेडलिस्ट बॉक्सर डिंको सिंह को स्पाइसजेट की एयर एम्बुलेंस से इम्फाल से दिल्ली लाया जाएगा ताकि उनके लिवर कैंसर का इलाज फिर से शुरू किया जा सके। पद्म पुरस्कार से सम्मानित इस बॉक्सर के लिए एयर एंबुलेंस सेवा निशुल्क प्रदान की जाएगी। बता दें कि कोरोना वायरस के कारण देश भर में जारी लॉकडाउन के कारण डिंको की पूर्व निर्धारित रेडिएशन थेरेपी नहीं हो पाई थी। इम्फाल में रह रहे 41 साल के डिंको की रेडिएशन थेरेपी एक पखवाड़ा पहले होनी थी, लेकिन कोविड–19 की वजह से जारी लॉकडाउन के कारण वह दिल्ली नहीं आ पाए। इसके बाद भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) ने बयान जारी कर कहा था कि महान बॉक्सर को 25 अप्रैल को यहां लाएगा जिससे कि लिवर के कैंसर का उनका उपचार दोबारा शुरू हो सके।

### दो पाकिस्तानी बल्लेबाजों ने इतना परेशान किया, रोने का दिल करता था

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)** नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह की फिरकी ने बड़े बड़े बल्लेबाजों को चकमा दिया है। भज्जी ने टीम इंडिया के लिमिटेड ओवर उप कप्तान और धमाकेदार ओपनर रोहित शर्मा से बात की। उन्होंने उन चुनिंदा बल्लेबाजों को नाम बताए जिनके आगे गेंदबाजी करते हुए वो परेशानी का सामना करते थे। 18 साल के इंटरनेशनल करियर के दौरान भज्जी ने महानतम बल्लेबाजों के सामने गेंदबाजी की। पहला नाम उन्होंने साउथ अफ्रीका के ऑल राउंडर जैक्स कैलिस का लिया और कहा, ष्मुझे टेस्ट मैचों में कैलिस को गेंदबाजी करना बड़ा मुश्किल लगता था। दूसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज ओपनर मैथ्यू हेडन का नाम भज्जी की लिस्ट में था।